चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 26 सितंबर 2026, अंक –366.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

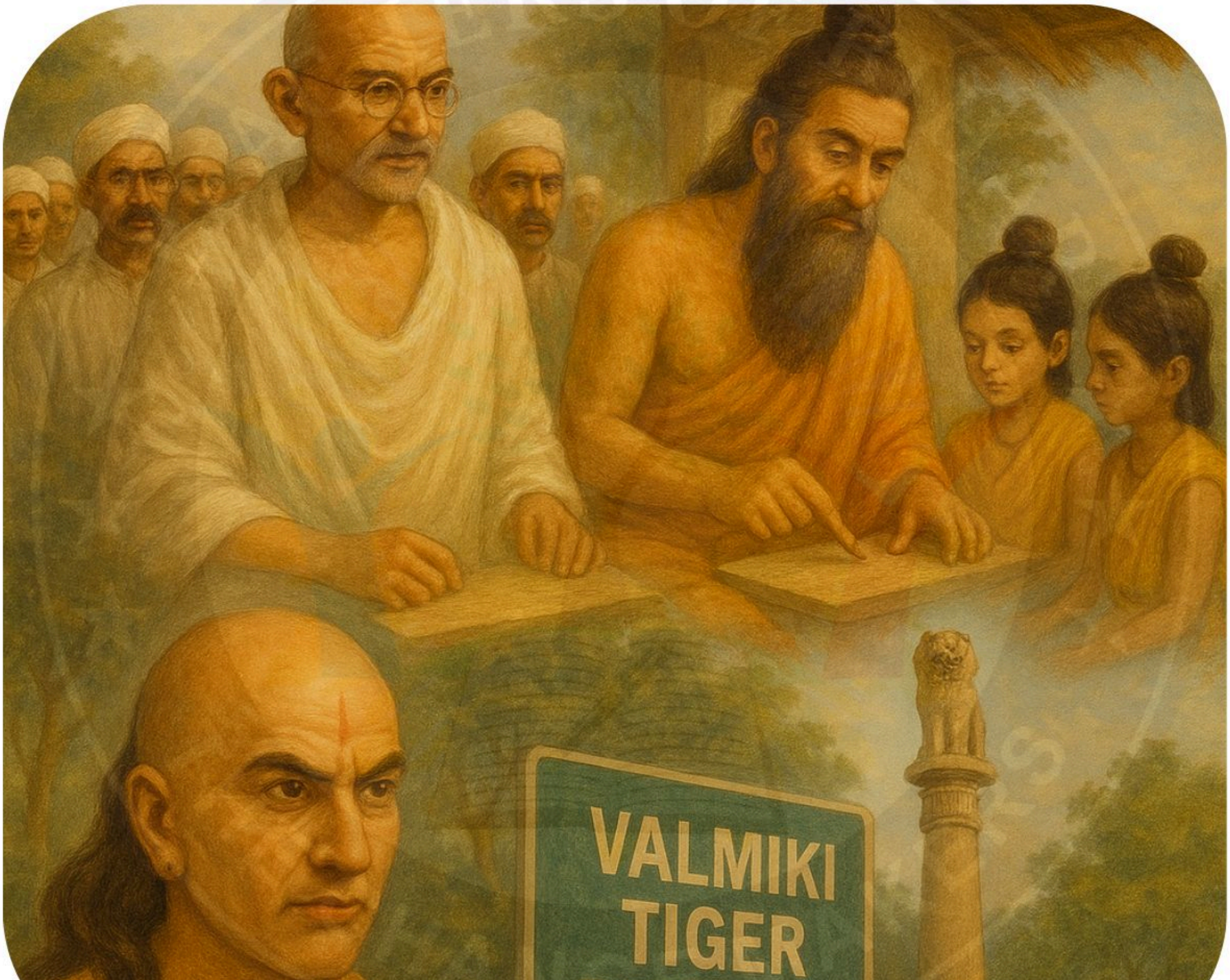

"जियो और जीने दो।" — महावीर स्वामी

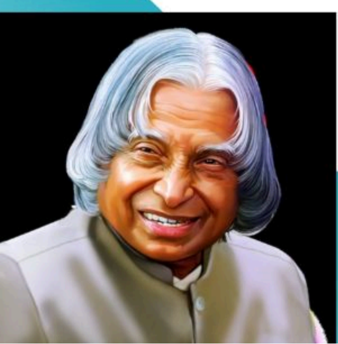

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मोल्दोवा की राजधानी क्या है?
उत्तर: चिसीनाउ
प्रश्न 2. मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: सुष्मिता सेन
प्रश्न 3. 'फुगड़ी' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: गोवा
प्रश्न 4. 2.5 किलोग्राम में कितने ग्राम होते हैं?
उत्तर: 2500 ग्राम
प्रश्न 5. बिहार का मुंगेर किला किस नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है?
उत्तर: गंगा
प्रश्न 6. तितली के जीवन-चक्र में अंडे से निकलने के बाद कौन-सा चरण आता है?
उत्तर: लार्वा
प्रश्न 7. ब्रेल लिपि का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: लुई ब्रेल
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में संवैधानिक उपचार का अधिकार किस अनुच्छेद में है?
उत्तर: अनुच्छेद 32
प्रश्न 9. 'आदर' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: अनादर
प्रश्न 10. धातु की चम्मच लकड़ी की चम्मच की तुलना में ठंडी क्यों महसूस होती है?
उत्तर: अधिक ऊष्मा-चालकता

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Village - विलेज - गाँव
2️⃣ Town - टाउन - कस्बा
3️⃣ City - सिटी - शहर
4️⃣ Country - कंट्री - देश
5️⃣ Capital - कैपिटल - राजधानी
6️⃣ District - डिस्ट्रिक्ट - ज़िला
7️⃣ State - स्टेट - राज्य

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “Where am I going to + V1?”
(मैं ... कहाँ करने वाला/वाली हूँ?)

मैं आज कहाँ पढ़ने वाला/वाली हूँ? – Where am I going to study today?
मैं खाना कहाँ खाने वाला/वाली हूँ? – Where am I going to eat?
मैं अपने मित्र से कहाँ मिलने वाला/वाली हूँ? – Where am I going to meet my friend?
मैं यह सामान कहाँ रखने वाला/वाली हूँ? – Where am I going to keep this stuff?
मैं शाम को कहाँ खेलने वाला/वाली हूँ? – Where am I going to play in the evening?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 25 सितंबर को भारत में एकात्म मानववाद और अंत्योदय दर्शन के प्रणेता किस महान विचारक की जयंती पर 'अंत्योदय दिवस' मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: पंडित दीनदयाल उपाध्याय

व्याख्या: 25 सितंबर को भारत में प्रतिवर्ष 'अंत्योदय दिवस' (Antyodaya Diwas) के रूप में मनाया जाता है। इसकी औपचारिक घोषणा 2014 में की गई थी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय (25 सितंबर 1916 – 11 फरवरी 1968) ने 'एकात्म मानवदर्शन' (Integral Humanism) और 'अंत्योदय' का सिद्धांत दिया, जिसका मूल अर्थ है — "विकास की कतार में सबसे पीछे खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान"। यह दिवस समाज के सबसे निर्धन, वंचित और उपेक्षित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने, निःशुल्क खाद्यान्न सुरक्षा, कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के प्रति राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

संदर्भ: Ministry of Rural Development Official Portal; PIB National Antyodaya Diwas Documentation;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस प्रमुख पर्यावरण एवं सतत ऊर्जा मिशन के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को दिन के समय निःशुल्क सौर बिजली और अतिरिक्त आय प्रदान करने हेतु 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का देशव्यापी विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: पीएम सूर्य घर योजना (रूफटॉप सोलर मिशन)

व्याख्या: सितंबर 2026 में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत 1 करोड़ परिवारों के घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करने के लक्ष्य को तीव्र गति दी गई। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिमाह 300 यूनिट तक निःशुल्क सौर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रिड-टाईड इनवर्टर के माध्यम से अतिरिक्त बिजली डिस्कॉम (DISCOMs) को बेचकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी परिवार नियमित आय अर्जित कर रहे हैं, जिससे भारत का शुद्ध-शून्य (Net-Zero) कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य भी सुदृढ़ हो रहा है।

संदर्भ: Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें 1920 के दौर में संयुक्त परिवार के विघटन, आभूषणों के प्रति आकर्षण, चोरी के लांछन और 'जालपा' के आत्म-सुधार का मनोवैज्ञानिक चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: गबन (1931)

व्याख्या: 'गबन' (1931) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत लोकप्रिय और कालजयी सामाजिक-मनोवैज्ञानिक उपन्यास है। यह उपन्यास तत्कालीन मध्यवर्गीय समाज में झूठी प्रतिष्ठा, दिखावे की प्रवृत्ति और आभूषण-प्रेम के घातक दुष्परिणामों पर केंद्रित है। नायक 'रमानाथ' अपनी पत्नी 'जालपा' को चंद्रहार पहनाने और अपनी विलासिता पूरी करने के लिए सरकारी दफ्तर में गबन कर बैठता है और कानूनी शिकंजे के भय से कोलकाता भाग जाता है। प्रेमचंद ने इसमें दर्शाया है कि कैसे परिस्थितियाँ मनुष्य को नैतिक पतन की ओर धकेलती हैं, परंतु जालपा के पश्चाताप और आत्म-संघर्ष से अंततः परिवार का नैतिक उद्धार होता है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'गबन', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य

प्र.4. अत्यधिक मानवीय गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन के कारण गर्म व उथले समुद्री जल में तापमान बढ़ने से प्रवाल (मूंगा) द्वारा अपने सहजीवी शैवाल (जूजैंथिली) को निष्कासित कर श्वेत हो जाने की घातक परिघटना को क्या कहते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग / Coral Bleaching)

व्याख्या: प्रवाल विरंजन (Coral Bleaching) तब घटित होता है जब समुद्री जल का तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक बढ़ जाता है। प्रवाल पॉलीप्स (Coral Polyps) और उनकी कोशिकाओं में रहने वाले प्रकाश-संश्लेषक एककोशिकीय शैवाल 'जूजैंथिली' (Zooxanthellae) के बीच परस्पर सहजीविता होती है, जो प्रवालों को 90% पोषण और चटक रंग प्रदान करते हैं। तापीय तनाव (Global Warming) के कारण प्रवाल इन शैवालों को बाहर निकाल देते हैं, जिससे प्रवाल कंकाल पूरी तरह सफेद (विरंजित) हो जाता है। यदि तापमान शीघ्र सामान्य न हो, तो प्रवाल भुखमरी से मर जाते हैं, जिससे संपूर्ण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और तटीय मत्स्य संपदा नष्ट हो जाती है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 265–268;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजस्थान के कोटा में ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट मेजर बर्टन का सिर काटकर पूरे शहर में घुमाने वाले विद्रोही जन-आंदोलन का नेतृत्व किन दो प्रमुख नेताओं ने किया था? (इतिहास)

उत्तर: लाला जयदयाल और मेहराब खान

व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में राजस्थान के कोटा में हुआ जन-विद्रोह सबसे सुव्यवस्थित, व्यापक और भीषण माना जाता है। 15 अक्टूबर 1857 को कोटा की राजकीय सेना और आम नागरिकों ने वकील लाला जयदयाल और सेना के रिसालदार मेहराब खान के नेतृत्व में खुला विद्रोह कर दिया। विद्रोहियों ने ब्रिटिश रेजिडेंसी को घेरकर पॉलिटिकल एजेंट मेजर बर्टन और उसके दो डॉक्टरों की हत्या कर दी तथा बर्टन का सिर काटकर पूरे कोटा नगर में जुलूस निकाला। क्रांतिकारियों ने कोटा के महाराव रामसिंह द्वितीय को उनके ही महल में नजरबंद कर लगभग 6 महीने तक कोटा का संपूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथों में रखा।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी घाट में महाराष्ट्र के त्र्यंबक पठार से निकलकर पूर्व की ओर बहने वाली गोदावरी नदी की वह कौन-सी सबसे बड़ी संयुक्त सहायक नदी है, जो पेनगंगा, वर्धा और वैनगंगा के संगम से बनती है? (भूगोल)

उत्तर: प्राणहिता नदी (Pranhita River)

व्याख्या: प्राणहिता नदी गोदावरी नदी प्रणाली की सबसे बड़ी सहायक नदी है, जो गोदावरी के कुल जल अपवाह का लगभग 34 प्रतिशत योगदान करती है। इसका निर्माण मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से बहकर आने वाली 'वर्धा' और 'वैनगंगा' नदियों के संगम से होता है (पेनगंगा पहले ही वर्धा में मिल जाती है)। प्राणहिता नदी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और तेलंगाना के मंचेरियल जिलों की सीमा बनाते हुए सिरोंचा के पास कालेश्वरम में गोदावरी नदी में विलीन हो जाती है। इस संगम स्थल पर तेलंगाना सरकार द्वारा निर्मित 'कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना' विश्व की सबसे बड़ी बहु-स्तरीय लिफ्ट सिंचाई प्रणालियों में से एक है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21–23;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की विधानसभाओं में आनुपातिक प्रतिनिधित्व और जनसंख्या के आधार पर 'अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों' (SC/ST) हेतु स्थानों के आरक्षण का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 332 (Article 332)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XVI में कुछ वर्गों से संबंधित विशेष उपबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 332' राज्यों की प्रत्येक विधानसभा में अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। सीटों का यह आवंटन प्रत्येक राज्य में इन जातियों की जनसंख्या के राज्य की कुल जनसंख्या के अनुपात के आधार पर तय किया जाता है। आरंभ में यह व्यवस्था संविधान लागू होने से केवल 10 वर्षों के लिए की गई थी, परंतु 104वें संविधान संशोधन अधिनियम (2019) द्वारा इस आरक्षण की समय सीमा को 25 जनवरी 2030 तक बढ़ा दिया गया है ताकि सामाजिक न्याय और विधायी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित रहे।

संदर्भ: Constitution of India, Part XVI, Article 332; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. किसी लेंस या गोलीय दर्पण से प्रकाश परावर्तन/अपवर्तन के पश्चात जब प्रकाश किरणें वास्तव में किसी बिंदु पर प्रतिच्छेद करती हैं और जिसे पर्दे पर प्राप्त किया जा सकता है, तो बनने वाले प्रतिबिंब को क्या कहते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: वास्तविक प्रतिबिंब (Real Image)

व्याख्या: प्रकाशिकी में प्रतिबिंब दो प्रकार के होते हैं: वास्तविक प्रतिबिंब (Real Image) और आभासी प्रतिबिंब (Virtual Image)। जब किसी वस्तु के किसी बिंदु से चलने वाली प्रकाश किरणें परावर्तन या अपवर्तन के पश्चात वास्तव में किसी दूसरे बिंदु पर मिलती (प्रतिच्छेद करती) हैं, तो वहाँ बनने वाले प्रतिबिंब को 'वास्तविक प्रतिबिंब' कहा जाता है। वास्तविक प्रतिबिंब की मुख्य विशेषताएं हैं: (1) इसे सिनेमा स्क्रीन, फोटोग्राफिक प्लेट या सफेद पर्दे पर सीधे प्राप्त किया जा सकता है; (2) यह वस्तु के सापेक्ष सदैव उल्टा (Inverted) बनता है; (3) अवतल दर्पण और उत्तल लेंस द्वारा अधिकांश स्थितियों में वास्तविक प्रतिबिंब ही निर्मित किए जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश – परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 170–180 एवं 190–193;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में गुजरात के पाटन में सोलंकी/चालुक्य वंश की रानी उदयामति द्वारा अपने दिवंगत पति राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में निर्मित 7-मंजिला यूनेस्को विश्व धरोहर सीढ़ीदार बावड़ी कौन-सी है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: रानी की वाव (Rani ki Vav - पाटन)

व्याख्या: 'रानी की वाव' (रानी की बावड़ी) गुजरात के पाटन में सरस्वती नदी के तट पर स्थित भूमिगत जल-वास्तुकला (Stepwell) का एक विश्वप्रसिद्ध और बेजोड़ नमूना है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी (लगभग 1063 ईस्वी) में सोलंकी वंश की रानी उदयामति ने कराया था। यह मारू-गुर्जर स्थापत्य शैली में निर्मित सात मंजिला गहरी बावड़ी है, जिसे एक उल्टे मंदिर (Inverted Temple) के रूप में डिज़ाइन किया गया है ताकि जल के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया जा सके। इसकी दीवारों और स्तंभों पर भगवान विष्णु के दशावतारों, अप्सराओं और पौराणिक प्रसंगों की 800 से अधिक उत्कृष्ट मूर्तियां उकेरी गई हैं। वर्ष 2014 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया तथा इसे भारतीय 100 रुपये के नए नोट पर भी चित्रित किया गया है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 78–82;

प्र.10. 1913 में पटना में क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार, लाठी-तलवार प्रशिक्षण और युवाओं में स्वाधीनता की अलख जगाने हेतु 'अनुशीलन समिति' की शाखा किसने स्थापित की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: सचिंद्र नाथ सान्याल

व्याख्या: सचिंद्र नाथ सान्याल (1893–1942) भारत के स्वाधीनता संग्राम में सशस्त्र क्रांतिकारी आंदोलन के प्रमुख रणनीतिकार और संगठनकर्ता थे। उन्होंने 1913 में बिहार के पटना में बंगाल की प्रसिद्ध क्रांतिकारी संस्था 'अनुशीलन समिति' की पहली औपचारिक शाखा की स्थापना की। इसके माध्यम से उन्होंने बिहार के राष्ट्रवादी छात्रों और युवाओं (जैसे बंकिम चंद्र मित्र और यदुनाथ सरकार) को संगठित कर गुप्त क्रांतिकारी साहित्य, हथियारों के उपयोग और व्यायामशालाओं के जरिए ब्रिटिश विरोधी संघर्ष का प्रशिक्षण दिया। बाद में सान्याल जी ने रामप्रसाद बिस्मिल के साथ मिलकर 1924 में 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HRA) का गठन किया और प्रसिद्ध क्रांतिकारी पुस्तक 'बंदी जीवन' की रचना की।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Revolutionary Movements; NCERT History Class 8 Reference;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार यदि भूकंप के समय कोई व्यक्ति या छात्र किसी बहुमंजिला भवन के कमरे में बंद (Trap) हो जाए, तो अपनी ऊर्जा सुरक्षित रखते हुए राहत दल का ध्यान खींचने हेतु क्या प्राथमिक संकेत देने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: पाइप या कंक्रीट दीवार पर धातु/पत्थर से तीन बार थपथपाना; चिल्लाने से बचना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, भूकंप में मलबे में दबने या कमरे में बंद हो जाने पर जीवित रहने (Survival Protocol) के नियम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं: (1) मलबे में फंसने पर निरंतर जोर-जोर से चिल्लाने से बचें, क्योंकि चीखने से बहुमूल्य ऑक्सीजन तेजी से घटती है, फेफड़ों में धूल और कंक्रीट का बारीक पाउडर भरने से दम घुटने का खतरा होता है तथा गला सूखने से ऊर्जा समाप्त हो जाती है; (2) इसके विपरीत अपने आस-पास पड़ी किसी धातु की वस्तु, पत्थर या कंक्रीट के टुकड़े से किसी लोहे के पाइप, बीम या ठोस दीवार पर नियमित अंतराल से 'तीन बार थपथपाएं' (अंतरराष्ट्रीय एसओएस ध्वनि संकेत); धातु और कंक्रीट में ध्वनि की चाल वायु की तुलना में कई गुना तीव्र होती है, जिसे खोज व बचाव दल (NDRF/SDRF) के ध्वनिक सेंसर आसानी से पकड़ लेते हैं; (3) धूल से बचाव के लिए अपनी नाक और मुंह को रुमाल या कपड़े से ढककर रखें और शांत रहकर सांसों को नियंत्रित करें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी";

प्र.12. एक बैग में 5 रुपये, 2 रुपये और 1 रुपये के सिक्कों का अनुपात 3:4:5 है। यदि उस बैग में रखे कुल सिक्कों का कुल मूल्य 168 रुपये है, तो बैग में 2 रुपये के सिक्कों की कुल संख्या कितनी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 24 सिक्के

व्याख्या: यह अनुपात और सिक्कों के मूल्य पर आधारित एक मानक, रोचक और व्यावहारिक अंकगणितीय प्रश्न है।
माना कि 5 रुपये, 2 रुपये और 1 रुपये के सिक्कों की संख्या क्रमशः $3x$, $4x$ और $5x$ है।
अब प्रत्येक प्रकार के सिक्कों का कुल मूल्य (रुपयों में) ज्ञात करते हैं:
5 रुपये के सिक्कों का मूल्य $= 3x * 5 = 15x$ रुपये, 2 रुपये के सिक्कों का मूल्य $= 4x * 2 = 8x$ रुपये, 1 रुपये के सिक्कों का मूल्य $= 5x * 1 = 5x$ रुपये, बैग में रखे सभी सिक्कों का कुल मूल्य $= 15x + 8x + 5x = 28x$ रुपये।, प्रश्नानुसार, कुल मूल्य 168 रुपये के बराबर है:, $28x = 168$, पक्षांतरण करने पर:, $x = 168 / 28 = 6$, अब, बैग में 2 रुपये के सिक्कों की संख्या $= 4x = 4 * 6 = 24$ सिक्के।, (जाँच: 5 रु. के सिक्के $= 3 * 6 = 18$ सिक्के, मूल्य $= 18 * 5 = 90$ रु.; 2 रु. के सिक्के

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

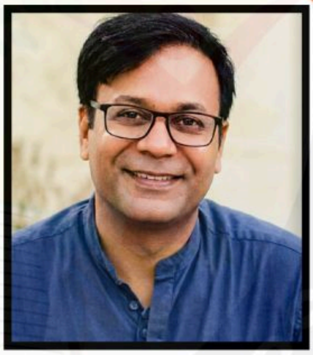

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Arduous (आर्ड्युअस) = Laborious (लेबोरियस) = कठिन / श्रमसाध्य
   Antonym – Effortless (एफर्टलेस) = आसान / बिना प्रयास का
2. Complacency (कम्प्लेसेंसी) = Self-satisfaction (सेल्फ-सैटिस्फैक्शन) = आत्मसंतुष्टि / लापरवाहीपूर्ण संतोष
   Antonym – Vigilance (विजिलन्स) = सतर्कता / चौकसी
3. Disparity (डिस्पैरिटी) = Inequality (इनइक्वैलिटी) = असमानता / विषमता
   Antonym – Equality (इक्वैलिटी) = समानता
4. Enigmatic (एनिग्मैटिक) = Mysterious (मिस्टिरियस) = रहस्यमय / गूढ़
   Antonym – Explicit (एक्सप्लिसिट) = स्पष्ट / साफ-साफ व्यक्त
5. Resilient (रिज़िलिएन्ट) = Adaptable (अडैप्टेबल) = लचीला / कठिनाइयों से उबरने वाला
   Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = नाज़ुक / आसानी से टूटने वाला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana 2.0 launched; 70,000 rural youth to receive skill training from October
हिन्दी अनुवाद: दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना 2.0 शुरू; अक्टूबर से 70,000 ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिलेगा।�
केंद्र सरकार ने Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDU-GKY) 2.0 शुरू की है जिसके तहत अक्टूबर से 70,000 ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह योजना राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगी और रोजगार योग्य कौशल विकास पर केंद्रित है। UPSC/BPSC के लिए: DDU-GKY — दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना; Ministry of Rural Development — ग्रामीण विकास मंत्रालय; Skill India — कौशल भारत।

DRDO inks first high-value deep tech project with start-up for 20 mK Dilution Refrigerator for Quantum Applications
हिन्दी अनुवाद: DRDO ने क्वांटम अनुप्रयोगों के लिए 20 mK Dilution Refrigerator के विकास हेतु स्टार्टअप के साथ पहला उच्च-मूल्य गहरी तकनीक परियोजना समझौता किया।�
रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (TDF) योजना के तहत एक स्टार्टअप के साथ 20 मिलीकेल्विन Dilution Refrigerator के स्वदेशी विकास के लिए पहला उच्च-मूल्य गहरी तकनीक परियोजना समझौता किया है। यह उपकरण क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम सेंसर अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण है। UPSC/BPSC के लिए: DRDO — रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन; TDF — टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड; Quantum computing — क्वांटम कंप्यूटिंग।

Education Minister Pralhad Joshi launches six-month Certificate (Bridge) Course in Primary Teacher Education; aims to improve teaching quality
हिन्दी अनुवाद: शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में छह महीने का सर्टिफिकेट (ब्रिज) कोर्स शुरू किया; शिक्षा गुणवत्ता में सुधार का लक्ष्य।�
केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में छह महीने का सर्टिफिकेट (ब्रिज) कोर्स लॉन्च किया। यह कोर्स शिक्षण गुणवत्ता में सुधार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। UPSC/BPSC के लिए: NEP 2020 — राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020; NCTE — राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद; Teacher education — शिक्षक शिक्षा।

INTERNATIONAL NEWS

Iran proposes 7-day roadmap to US for ending war, reopening Strait of Hormuz; seeks return to June MoU by November
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने US को युद्ध समाप्त करने और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए 7-दिन का रोडमैप प्रस्तावित किया; नवंबर तक जून MoU पर वापसी की मांग।�
ईरान ने वॉशिंगटन के साथ युद्ध समाप्त करने और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक सात-दिन का रोडमैप प्रस्तावित किया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने न्यूयॉर्क में संवाददाताओं को बताया कि वे जून के समझौता ज्ञापन (MoU) पर नवंबर की शुरुआत तक वापसी चाहते हैं। प्रस्ताव में होर्मुज़ को फिर से खोलना और फिर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक वार्ता शुरू करना शामिल है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; MoU — समझौता ज्ञापन; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

Colombia severs diplomatic relations with Iran over security concerns, alleged terrorist links
हिन्दी अनुवाद: कोलंबिया ने सुरक्षा चिंताओं, कथित आतंकवादी लिंक पर ईरान के साथ राजनयिक संबंध तोड़े।�
कोलंबिया ने गुरुवार को औपचारिक रूप से ईरान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए, "राष्ट्रीय और गोलार्ध सुरक्षा चिंताओं", अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी और नार्कोटेररिस्ट समूहों से कथित लिंक, और मानवाधिकार उल्लंघन का हवाला देते हुए। यह कदम US-ईरान तनाव के बीच आया है। UPSC/BPSC के लिए: Diplomatic relations — राजनयिक संबंध; Latin America — लैटिन अमेरिका; US foreign policy — अमेरिकी विदेश नीति।

China, US must steer clear of conflict: Xi Jinping at UNGA; warns against Cold War mentality
हिन्दी अनुवाद: चीन, US को संघर्ष से दूर रहना चाहिए: शी जिनपिंग ने UNGA में कहा; शीत युद्ध मानसिकता के खिलाफ चेतावनी दी।�
चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में कहा कि चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका को संघर्ष से दूर रहना चाहिए और शीत युद्ध मानसिकता से बचना चाहिए। उन्होंने बहुपक्षीयवाद और सहयोग पर जोर दिया। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; US-China relations — अमेरिका-चीन संबंध; Cold War — शीत युद्ध।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Water levels receding in Ganga, Gandak, Kosi; 49.72 lakh affected across 15 districts, relief operations continue
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: गंगा, गंडक, कोसी में जलस्तर घट रहा है; 15 जिलों में 49.72 लाख प्रभावित, राहत अभियान जारी।�
बिहार में बाढ़ की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। गंगा, गंडक और कोसी नदियों में जलस्तर घटने लगा है, लेकिन कई स्थानों पर नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 15 जिलों, 88 ब्लॉकों और 576 ग्राम पंचायतों में लगभग 49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। 50 सामुदायिक रसोई और 13 राहत शिविर चलाए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

World Pharmacists Day celebrated in Chapra; theme 'Empowering Pharmacists for Healthier Futures'
हिन्दी अनुवाद: छपरा में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया; थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्ट को सशक्त बनाना'।�
छपरा सदर अस्पताल में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्ट को सशक्त बनाना' है। कार्यक्रम में फार्मासिस्टों को सम्मानित किया गया और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) से लड़ने के लिए 'स्वस्थ भारत' मिशन को बढ़ावा दिया गया। UPSC/BPSC के लिए: World Pharmacists Day — 25 सितंबर; FIP — अंतरराष्ट्रीय फार्मासिस्ट महासंघ; AMR — एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India wins 6 medals on Day 6 (1 gold, 2 silver, 3 bronze); total tally reaches 20 (2 gold, 8 silver, 10 bronze)
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने दिन 6 में 6 पदक जीते (1 स्वर्ण, 2 रजत, 3 कांस्य); कुल tally 20 पहुंची (2 स्वर्ण, 8 रजत, 10 कांस्य)।�
भारत ने एशियाई खेल 2026 के छठे दिन 6 पदक जीते। कमलजीत और सुरूची इंदर सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम फाइनल में स्वर्ण जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम फाइनल में रजत जीता। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह, बरानिका इलांगोवन और मनप्रीत कौर ने पदक जीते। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; ISSF — अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; Athletics — एथलेटिक्स।

Table Tennis: Manush Jain and Diya Parag win mixed doubles bronze; India's first medal in the sport at Asian Games 2026
हिन्दी अनुवाद: टेबल टेनिस: मनुष जैन और दिया पराग ने मिश्रित डबल्स में कांस्य पदक जीता; एशियाई खेल 2026 में खेल में भारत का पहला पदक।�
मनुष जैन और दिया पराग ने टेबल टेनिस मिश्रित डबल्स में कांस्य पदक जीता। यह एशियाई खेल 2026 में टेबल टेनिस में भारत का पहला पदक है। UPSC/BPSC के लिए: Table Tennis — टेबल टेनिस; ITTF — अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ; Asian Games — एशियाई खेल।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:-

बाहर आंधी चाहे जितनी तेज हो, अपने भीतर का दीप बुझने न दें। जब आप भय और क्रोध को परे रखकर हर परिस्थिति को शांत मन से स्वीकार करते हैं, तो कोई भी संकट आपकी शांति नहीं छीन सकता। (गीता-2/56)

शैलेन्द्र...👏

प्रेरक प्रसंग

जाते समय का आदर

एक बार एक प्रसिद्ध चित्रकार सम्राट नेपोलियन से मिलने उनके पास पहुँचा। चित्रकार के कपड़े साधारण और मैले-कुचैले थे। उसके पहनावे को देखकर नेपोलियन ने उसे अधिक महत्व नहीं दिया और उसे अपने से कुछ दूर बैठने का आदेश दिया।

बातचीत शुरू हुई तो धीरे-धीरे नेपोलियन को पता चला कि सामने बैठा व्यक्ति कोई साधारण आदमी नहीं, बल्कि बहुत कुशल और प्रतिभाशाली चित्रकार है। उसकी कला और योग्यता से प्रभावित होकर सम्राट के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आ गया।

जब चित्रकार वहाँ से जाने लगा, तो नेपोलियन स्वयं उठे, उससे हाथ मिलाया और उसे सम्मानपूर्वक द्वार तक छोड़ने भी गए।

चित्रकार को यह देखकर आश्चर्य हुआ। उसने मुस्कराकर पूछा,

“महाराज, जब मैं आपके पास आया था, तब आपने मुझे अपने पास बैठने तक का अवसर नहीं दिया। लेकिन अब जाते समय आप स्वयं मुझे द्वार तक छोड़ने आए हैं। इसका कारण क्या है?”

नेपोलियन ने मुस्कराते हुए कहा,

“जब तुम आए थे, तब मैंने तुम्हारे वस्त्र देखकर तुम्हारा मूल्य आँका था। लेकिन अब जब तुम जा रहे हो, तब मैं तुम्हारे गुण और प्रतिभा को पहचान चुका हूँ। इसलिए जाते समय मेरा सम्मान तुम्हारे कपड़ों के लिए नहीं, तुम्हारे गुणों के लिए है।”

चित्रकार ने सिर झुका लिया।

सच यही है—किसी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों, पद या बाहरी रूप से नहीं, बल्कि उसके गुण, व्यवहार और प्रतिभा से होनी चाहिए। बाहरी रूप पहली नजर को प्रभावित कर सकता है, लेकिन व्यक्ति के वास्तविक मूल्य को उसके कर्म ही बताते हैं।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: अत्यंत कठिन | भाग-6

सोचो... समझो... हल करो...

7						4		
2	6		8		1			
		8	9	7				
	8			6				
		4			8			
6	9							
5	2							7
					7			2
9	7			5				4

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	3	9	5	2	6	4	8	1
2	6	5	8	4	1	7	9	3
4	1	8	9	7	3	2	5	6
3	8	7	2	6	9	1	4	5
1	5	4	7	3	8	6	2	9
6	9	2	4	1	5	3	7	8
5	2	1	3	8	4	9	6	7
8	4	3	6	9	7	5	1	2
9	7	6	1	5	2	8	3	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 56
दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः।
वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते॥

सरल हिन्दी अर्थ:

दुःखों की प्राप्ति होने पर जिसके मन में कोई उद्वेग (घबराहट या व्याकुलता) नहीं होता, सुखों की प्राप्ति में जिसकी लालसा (अति-आसक्ति) समाप्त हो चुकी है, और जो राग (अति-लगाव), भय तथा क्रोध से सर्वथा मुक्त हो चुका है—वह स्थिर बुद्धि वाला व्यक्ति 'स्थितप्रज्ञ' या मुनि कहलाता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ एक भावनात्मक रूप से परिपक्व (Emotionally Intelligent) और संतुलित व्यक्तित्व का पैमाना प्रस्तुत कर रहे हैं। जीवन उतार-चढ़ाव का नाम है, लेकिन उन उतार-चढ़ावों के बीच मन का आंतरिक थर्मामीटर स्थिर रहना चाहिए।

- **दुःख में स्थिरता (Mental Resilience): मुसीबत आने पर छाती पीटना या "मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ?" का रोना रोने के बजाय समस्या का शांत मस्तिष्क से समाधान खोजना।**
- **सुख में संतुलन (Groundedness): सफलता मिलते ही अहंकार में चूर न होना या भोग-विलास की अंधी दौड़ में न पड़ना।**

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरारक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

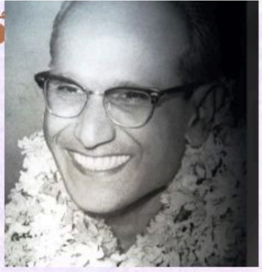

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त

प्यारे बच्चों, आपने भगत सिंह के साथ दिल्ली की असेंबली में बम फेंकने और पर्चे उड़ाने की रोमांचक कहानी ज़रूर सुनी होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उस दिन भगत सिंह के कंधे से कंधा मिलाकर सीना ताने खड़े रहने वाले उनके वह प्यारे साथी कौन थे? वे थे वीर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त! साथी क्रांतिकारी उन्हें लाड़ से 'बी.के. दत्त' और 'बट्टू' कहकर पुकारते थे। बटुकेश्वर दत्त का जन्म 18 नवंबर 1910 को पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान ज़िले के ओअरी गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री गोष्ठ बिहारी दत्त था, जो उत्तर प्रदेश के कानपुर में नौकरी करते थे, और माता का नाम श्रीमती कामिनी देवी था, जो अत्यंत स्नेहमयी और धर्मपरायण महिला थीं। नन्हे बटुकेश्वर का बचपन कानपुर की गलियों और गंगा किनारे बीता। वे बचपन से ही बड़े साहसी, शांत स्वभाव और पक्के देशभक्त बालक थे।

कानपुर के पी.पी.एन. हाई स्कूल में पढ़ते हुए उनकी मुलाकात क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह से हुई। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त पहली ही मुलाकात में एक-दूसरे के गहरे मित्र बन गए। नन्हे बट्टू का मन पढ़ाई के साथ-साथ आज़ादी की योजनाओं में खूब रमता था। वे 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' से जुड़े और उन्होंने बम बनाने का कठिन और वैज्ञानिक हुनर सीखा। जब अंग्रेज़ हुकूमत ने भारतीयों की आवाज़ दबाने के लिए 'पब्लिक सेफ्टी बिल' और 'ट्रेड डिस्प्यूट्स बिल' जैसे दमनकारी कानून लाने चाहे, तब क्रांतिकारियों ने तय किया कि बहरी अंग्रेज़ सरकार के कान खोलने के लिए एक बड़ा धमाका करना होगा, जिसमें किसी की जान न जाए।

8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में दोनों वीर नौजवान खाकी वर्दी पहनकर दर्शक दीर्घा में चुपचाप बैठ गए। जैसे ही सभा की कार्यवाही शुरू हुई, बटुकेश्वर दत्त और भगत सिंह ने खाली बेंचों की तरफ दो कम तीव्रता वाले बम फेंके और लाल रंग के पर्चे हवा में उड़ा दिए। पूरा हॉल धुएँ से भर गया और अंग्रेज़ अफसर मेज़ों के नीचे छुपने लगे। दोनों वीरों के पास भागने का पूरा मौका था, पर वे वहीं मुस्कुराते हुए खड़े रहे और गगनभेदी आवाज़ में नारा लगाया—"इंक़लाब ज़िंदाबाद!" उन्होंने अपनी पिस्तौलें स्वेच्छा से फेंककर आत्मसमर्पण कर दिया ताकि अदालत को अपने विचारों का मंच बना सकें।

अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई और उन्हें अंडमान की कुख्यात 'सेलुलर जेल' यानी काला पानी भेज दिया गया। वहाँ अंग्रेज़ जेलर भारतीय कैदियों को अमानवीय यातनाएँ देते थे, कीड़े लगा सड़ा खाना और बदबूदार पानी देते थे। इसके विरोध में वीर बटुकेश्वर दत्त ने जेल की कालकोठरी में लंबी भूख हड़ताल की और कैदियों के मान-सम्मान के लिए लड़े। उन्होंने कई वर्षों तक भयानक कष्ट झेले, पर कभी उफ़ तक नहीं की। आज़ादी के बाद वे बिहार के पटना में आकर सादगी से रहने लगे। 20 जुलाई 1965 को इस महान सपूत ने अंतिम साँस ली। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार पंजाब के हुसैनीवाला में उनके सबसे प्यारे साथी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की समाधियों के पास ही किया गया। प्यारे बच्चों, बटुकेश्वर दत्त का पावन जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ मित्रता निभाओ, देश के सम्मान के लिए कठिन से कठिन कष्ट सहने का साहस रखो और हमेशा सादगी से जियो।

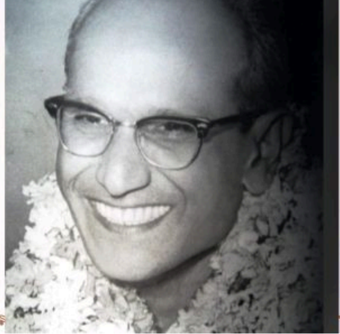

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:-

बाहर आंधी चाहे जितनी तेज हो, अपने भीतर का दीप बुझने न दें। जब आप भय और क्रोध को परे रखकर हर परिस्थिति को शांत मन से स्वीकार करते हैं, तो कोई भी संकट आपकी शांति नहीं छीन सकता। (गीता-2/56)

शैलेन्द्र...👏

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org